1080520 - A2

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - X
कक्षा - X

HINDI
हिन्दी

(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **13** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर **क्रमानुसार** - दीजिए।

खंड 'क'

1. अपठित गद्यांश **5**

आज हमारे वर्तमान युग की ऐसी उलझन भरी, दुस्साध्य और भयानक समस्या उपस्थित है, जिससे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि क्या हम सदा के लिए युद्ध बंद करने की घोषणा कर सकते हैं या इसके विपरीत हम मनुष्य जाति को समूल नष्ट करना चाहते हैं? यदि हम सदैव के लिए युद्ध से विमुख हो जाते हैं तो हम ऐसे सुखी समाज का निर्माण कर सकते हैं जिसमें ज्ञान व विज्ञान की सतत प्रगति हो रही है, कलाएँ अपनी सतरंगी आभा बिखेर रही हैं और मानव सभ्यता उत्तम मानवीय मूल्यों के विकास में निरन्तर रत है। क्या इस स्वर्गीय आनंद के बदले विनाशक मृत्यु को हम इसलिए चाहते हैं क्योंकि हम अपने झगड़े समाप्त नहीं कर सकते। हम आपसे मनुष्य होने के नाते मनुष्यता के नाम पर यह प्रार्थना करते हैं कि आप सबकुछ भूलकर केवल अपनी मानवता को याद रखें। यदि आप यह कर सकते हैं तो निश्चय ही एक नए व महान भविष्य के लिए रास्ता खुला है किंतु यदि आपको यह मंजूर नहीं है तो आपके सामने मानव मात्र के महाविनाश का संकट उपस्थित है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प चुनकर लिखिए –

(क) आज हमारे सम्मुख कौन सी भयानक समस्या उपस्थित है ? **1**

(i) युग की उलझन। (ii) दुस्साध्य समस्या।

(iii) मनुष्य जाति की समस्या। (iv) युद्ध की समस्या।

(ख) यदि युद्ध बंद करने की घोषणा नहीं करते तो इसके विपरीत परिणाम क्या होंगे ? **1**

(i) वर्तमान युग की भयानक समस्या। (ii) मनुष्य जाति का समूल नाश।

(iii) युद्ध से विमुखता। (iv) दुस्साध्य समस्या।

(ग) युद्ध से विमुख होकर कैसे समाज का निर्माण संभव है ? **1**

(i) दुस्साध्य। (ii) सुखी।

(iii) समूल नाशवान। (iv) उलझन भरा।

(घ) मनुष्यता के नाम पर लेखक क्या प्रार्थना कर रहे हैं ? **1**

(i) मानवता को याद रखने की। (ii) स्वर्गीय आनंद की।

(iii) विनाशक मृत्यु की। (iv) झगड़े समाप्त न करने की।

(ङ) 'एक नए व महान भविष्य के लिए रास्ता खुला है,' यह मंजूर न होने पर क्या होगा ? **1**

(i) मानवीय मूल्यों का विकास। (ii) सुखी समाज का निर्माण।

(iii) स्वर्गीय आनंद। (iv) मानव मात्र का महाविनाश।

2. अपठित गद्यांश **5**

चित्रकार अपनी कूची लेकर चित्र बना रहा था, किंतु वह अनिश्चय की स्थिति में था कि किसका चित्र बनाए। अब चित्रकार के पास शंकराचार्य आए। उन्होंने एक हंस का चित्र बनाने की प्रार्थना की – शुभ्रवर्ण वाला हंस, न कि रक्तिम हंस। उन्हें मोती चुगने वाला, न्याय करने वाला हंस चाहिए था। चित्रकार ने कहा कि ऐसा हंस तो कबीर, नानक, विवेकानंद और स्वयं शंकराचार्य प्रस्तुत करते रहे हैं। फिर वे उससे चित्र क्यों बनवा रहे हैं ? शंकराचार्य ने कहा – लोग आजकल धर्मगुरुओं की वाणी को साम्प्रदायिक समझने लगे हैं इसलिए लोकतंत्र में लोकवाणी का महत्व बढ़ गया है।

अब अफ्रीकी नेशनल काँग्रेस के जुझारु नेता नेल्सन मंडेला उसके घर आए। उन्होंने कोयल का चित्र बनाने की प्रार्थना की। वे व्यंग्य से बोले अब तक इस काली कोयल को गोरी चमड़ी के हंस रूपी बगुलों ने कौआ समझ रखा है। चित्रकार ! तुम जानते हो राजनीति में केवल दो वर्ण होते हैं – सफेद और काला। सफेद अपनी कालिख पर पोतने के लिए और काला औरों की सफेदी पर पोतने के लिए। किन्तु कलानीति में काला भी सुंदर है – कोयल की तरह।

चित्रकार को ज़ोर से भूख लगी। उसने पत्नी को भोजन देने के लिए कहा। पत्नी ने बताया घर में बनाने को कुछ नहीं है, तुम हंस, कोयल आदि बनाने में लगे रहे तो भूखा रहना पड़ेगा। तभी एक भेड़िया आया और एक भेड़ का चित्र बनाने के लिए कहने लगा। चित्रकार समझ गया कि यह लोगों को मूर्ख बनाने के लिए भेड़ का चित्र सामने रखेगा अत: उसने चित्र बनाने से मना कर दिया। भेड़िए ने मुँहमाँगे दाम देने को कहा, चित्रकार टस से मस न हुआ। भेड़िया चला गया। तभी पत्नी ने चित्रकार को फटकारा कि मुश्किल से घर में रोटी आई थी, तुमने उसे भी जाने दिया। अब कैसे जिएँगे। चित्रकार की आँखे खुलीं। वह दरवाज़े की तरफ़ भागा।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों को चुन कर लिखिए –

(क) शंकराचार्य ने चित्रकार से हंस का कैसा चित्र बनवाने की प्रार्थना की ? **1**

(i) रक्तिम हंस (ii) कबीर, नानक, विवेकानंद का हंस।

(iii) कौआ नज़र आनेवाला हंस। (iv) शुभ्रवर्ण वाला हंस।

(ख) अफ्रीकी नेशनल काँग्रेस के कौन से नेता चित्रकार के घर आए ? **1**

(i) कोयल (ii) नेल्सन मंडेला

(iii) शंकराचार्य (iv) राजनेता

(ग) काला रंग राजनीति में किस काम आता है ? **1**

(i) कोयल को कौआ बनाने के लिए।

(ii) अपनी कालिख पर पोतने के लिए।

(iii) कोयल की तरह सुंदर रंग दिखाने के लिए।

(iv) औरों की सफेदी पर पोतने के लिए।

(घ) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा – **1**

(i) हंस और कोयल। (ii) काला और सफ़ेद।

(iii) चित्र और चित्रकार। (iv) भेड़िया और भेड़।

(ङ) चित्रकार की आँखे कब खुलीं ? **1**

(i) जब पत्नी ने फटकारा कि मुश्किल से घर रोटी आई थी।

(ii) जब चित्रकार समझ गया कि लोगों को मूर्ख बनाने के लिए भेड़िया भेड़ का चित्र रखेगा।

(iii) आजकल धर्मगुरुओं की वाणी को लोग साम्प्रदायिक समझने लगे हैं।

(iv) जब जाना कि राजनीति में दो वर्ण होते हैं – सफ़ेद और काला।

3. अपठित पद्यांश **5**

एक दिन तने ने भी कहा था, जड़ ?

जड़ तो जड़ ही है; जीवन से सदा डरी रही है,

और यही है उसका सारा इतिहास

कि ज़मीन में मुँह गड़ाए पड़ी रही है,

लेकिन मैं ज़मीन से ऊपर उठा,

बाहर निकला, बढ़ा हूँ, मज़बूत बना हूँ, इसी से तो तना हूँ

एक दिन डालों ने भी कहा था, तना ?

किस बात पर है तना ?

जहाँ बिठाल दिया था वहीं पर है बना,

प्रगतिशील जगती में तिल भर नहीं डोला है,

खाया है, मोटाया है, सहलाया चोला है,

लेकिन हम तने से फूटीं, दिशा - दिशा में गईं

ऊपर उठीं, नीचे आईं, हर हवा के लिए दोल बनीं, लहराईं

इसी से तो डाल कहलाईं।

उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से छाँटकर लिखिए -

(क) तने ने जड़ का क्या इतिहास बताया ? **1**

(i) जड़ प्रगतिशील है। (ii) जड़ जमीन में मुँह गड़ाए पड़ी रही।

(iii) जड़ सबका सहारा है। (iv) जड़ जमीन से ऊपर उठती रही।

(ख) तने ने अपने बारे में क्या कहा ? **1**

(i) मेरा सारा इतिहास है। (ii) ज़मीन से ऊपर उठा बढ़ा है।

(iii) ज़मीन में मुँह गड़ाए पड़ा है। (iv) ज़ीवन से सदा डरा हूँ।

(ग) 'तना ? किस बात पर है तना', किसने किस से कहा ? **1**

(i) तने ने जड़ से । (ii) तने ने अपने आप से।

(iii) डालों ने तने से। (iv) डालों ने स्वयं से।

(घ) डालें तने को प्रगतिशील क्यों नहीं मानती ? **1**

(i) खाने और मोटे होने के कारण।

(ii) तने होने के कारण।

(iii) जगती में तिल भर भी ना डोलने के कारण।

(iv) जड़ की तने द्वारा आलोचना के कारण।

(ङ) डालों ने अपने गतिशील होने का क्या प्रमाण दिया ? **1**

(i) दिशा दिशा में गई - हम । (ii) बढ़े, मजबूत बने - हम।

(iii) हमारा इतिहास है। (iv) हम ज़मीन से ऊपर उठीं।

4. अपठित पद्यांश **5**

कंटकित यह पंथ भी हो जाएगा आसान क्षण में,
पाँव की पीड़ा क्षणिक यदि तू करे अनुभव न मन में,
सृष्टि सुख दुख क्या हृदय की भावना के रूप हैं दो,
भावना की ही प्रतिध्वनि गूँजती भू, दिशि, गगन में,
एक ऊपर भावना से भी है मगर शक्ति कोई,
भावना भी सामने जिसके विवश व्याकुल मुसाफिर!
पंथ पर चलना तुझे तो मुस्करा कर चल मुसाफिर!

उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर सही विकल्प को चुनकर लिखिए –

(क) कंटकित पंथ क्षण भर में आसान कैसे हो जाएगा ? **1**

(i) कंटकित न रहने से। (ii) पंथ मिल जाने से।
(iii) मन में पीड़ा न अनुभव करने से। (iv) क्षणिक पीड़ा से।

(ख) सुख – दुख क्या हैं ? **1**

(i) हृदय की भावना के रूप। (ii) कंटकित पंथ।
(iii) पाँव की पीड़ा। (iv) गूँजती प्रतिध्वनि।

(ग) भावना से भी ऊपर कौन है ? **1**

(i) पीड़ा। (ii) सुख दुख।
(iii) कोई आग। (iv) कोई शक्ति।

(घ) उस शक्ति के सामने कौन विकल – व्याकुल है ? **1**

(i) सुख–दुख (ii) आग
(iii) भावना (iv) पंथ

(ङ) इस कविता का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। **1**

(i) भावना (ii) कंटकित मार्ग
(iii) सुख–दुख (iv) चल मुसाफ़िर

खंड 'ख'

5. (i) निम्नलिखित में विकारी शब्द होते हैं – 1

(क) क्रियाविशेषण शब्द (ख) संज्ञा शब्द

(ग) सम्बन्धबोधक शब्द (घ) विस्मयादिबोधक शब्द

(ii) शब्द और पद का अंतर किस वाक्यांश से स्पष्ट होता है ? 1

(क) शब्द स्वतंत्र इकाई है।

(ख) वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं।

(ग) वाक्य में प्रयुक्त शब्द पद कहलाता है।

(घ) पद के रूप में कुछ भिन्नता आ जाती है।

(iii) मेरा बड़ा बेटा पेरिस जा रहा है। रेखांकित पदबंध का नाम है – 1

(क) क्रियाविशेषण पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध

(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) विशेषण पदबंध

(iv) इतनी लगन से काम करने वाला मैं असफल नहीं हो सकता – रेखांकित का पदबंध है – 1

(क) क्रिया पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध

(ग) क्रिया-विशेषण पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध

6. (i) सत्य की सदा जीत होती है। – रेखांकित का पद परिचय है – 1

(क) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, संबंधकारक 'की', भूतकाल

(ख) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबंधकारक

(ग) भाववाचक संज्ञा, बहुवचन, संबंधकारक की, वर्तमान काल

(घ) गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, संबंधकारक 'की', वर्तमान काल

(ii) दौड़कर जाओ और बाज़ार से कुछ लाओ – रेखांकित का पद परिचय है – 1

(क) संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन

(ख) सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन

(ग) संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन

(घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक

(iii) रात के दस बजे। मैंने पढ़ना बंद कर दिया। – इन वाक्यों से बना मिश्रित वाक्य है – **1**

(क) रात के दस बजे और मैंने पढ़ना बंद कर दिया ।

(ख) रात के दस बजे मैंने पढ़ना बंद कर दिया।

(ग) ज्यों ही रात के दस बजे त्यों ही मैंने पढ़ना बंद कर दिया।

(घ) मैंने रात को दस बजे पढ़ना बंद कर दिया।

(iv) पढ़ो और लिखो। – रचना के आधार पर वाक्य भेद है – **1**

(क) संयुक्त वाक्य (ख) विधान वाचक

(ग) इच्छा वाचक (घ) मिश्रित

7. (i) 'आप चाय पिएँगे या कॉफी ?' – रचना के आधार पर वाक्य का भेद है : **1**

(क) मिश्र वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) प्रश्नवाचक (घ) सरल

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्रित वाक्य है : **1**

(क) मैं छोटेपन में साइकिल चलाती थी।

(ख) जब मैं छोटी थी तब साइकिल चलाती थी।

(ग) मैं छोटी थी और साइकिल चलाती थी।

(घ) छोटी बच्ची साइकिल चलाती थी।

(iii) अधर + ओष्ठ की संधि है : **1**

(क) अधरौष्ठ (ख) अधरोष्ठ

(ग) अधरुष्ठ (घ) अधरूष्ठ

(iv) 'गायक' का संधि – विच्छेद है : **1**

(क) ग + आयक (ख) गा + अक

(ग) गाय + अक (घ) गै + अक

8. (i) 'अत्यंत' स्वर संधि का कौन सा भेद है ? 1

(क) गुण संधि (ख) यण संधि

(ग) वृद्धि संधि (घ) दीर्घ संधि

(ii) 'चरणकमल' समस्त पद का विग्रह है : 1

(क) कमल से चरण वाले (ख) चरण ही कमल हैं

(ग) चरण रूपी कमल (घ) कमल से चरण हैं जिनके

(iii) 'ग्राम को गया हुआ' का समस्त पद है : 1

(क) गोग्राम (ख) गयाग्राम

(ग) ग्रामगया (घ) ग्रामगत

(iv) निम्नलिखित में किस समस्त पद में तत्पुरुष समास है? 1

(क) गृहप्रवेश (ख) महादेव

(ग) मुखचन्द्र (घ) नीलगगन

9. (i) 'आटे दाल का भाव मालूम होना' का अर्थ है : 1

(क) आवश्यक वस्तुओं से परिचय।

(ख) ज़रूरी वस्तुओं के भाव जानना।

(ग) आटे और दाल का अंतर समझ में आना।

(घ) वास्तविकता से सामना होना।

(ii) हिमाचल का प्राकृतिक सौंदर्य मेरी _____ रहता है। उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। 1

(क) बाट जोहता (ख) आँखों में तैरता

(ग) दबे पांव आता (घ) ढल जाता

(iii) 'चेहरा मुरझाना' का अर्थ है – 1

(क) निराश हो जाना (ख) घबरा जाना

(ग) गर्मी लगना (घ) बेइज़्ज़त करना

(iv) नन्हे शिशु की तोतली बोली _____ देती है। उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। 1

(क) गले लगा (ख) रंग दिखा

(ग) कानों में रस घोल (घ) आगाह कर

खंड 'ग'

10. किसी एक पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए :

कंपनी बाग के मुहाने पर
धर रखी गई है 1857 की तोप
इसकी होती है बड़ी सम्हाल, विरासत में मिले
कंपनी बाग की तरह
साल में चमकाई जाती है दो बार।
सुबह शाम कंपनी बाग में आते हैं बहुत से सैलानी
उन्हें बताती है ये तोप कि मैं बड़ी जबर
उड़ा दिए थे मैंने अच्छे - अच्छे सूरमाओं के धज्जे।

(i) इन पंक्तियों के कवि का नाम लिखिए : **1**

(क) पंत जी (ख) महादेवी वर्मा

(ग) गुप्त जी (घ) वीरेन डंगवाल

(ii) कविता में वर्णित तोप का संबंध किससे है ? **1**

(क) विरासत से (ख) सैलानियों से

(ग) 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से (घ) सूरमाओं से

(iii) तोप कहाँ रखी गई है ? **1**

(क) विरासत में (ख) सूरमाओं के पास

(ग) सैलानियों के पास (घ) कंपनी बाग के मुहाने पर

(iv) तोप को साल में कितनी बार चमकाया जाता है ? **1**

(क) दो बार (ख) सुबह - शाम

(ग) चार बार (घ) तीन बार

(v) सैलानियों को तोप क्या बताती है ? **1**

(क) मेरी सम्हाल होती है। (ख) मैंने सूरमाओं के धज्जे उड़ाए।

(ग) मैं विरासत हूँ। (घ) मैं 1857 की तोप हूँ।

अथवा

स्याम म्हाने चाकर राखो जी, गिरधारी लाला म्हाँने चाकर राखोजी
चाकर रहस्यूँ बाग लगास्यूँ नित उठ दरसण पास्यूँ।
बिन्दरावन री कुंज गली में, गोविन्द लीला गास्यूँ।
चाकरी में दरसण पास्यूँ, सुमरण पास्यूँ खरची।
भाव भगती जागीरी पास्यूँ, तीनूं बाताँ सरसी।
मोर मुगट पीतांबर सौहे, गल वैजन्ती माला।
बिन्दरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला।

(i) गिरधारी से कवि ने क्या विनती की? **1**

(क) दर्शन देने की (ख) श्याम को पाने की

(ग) चाकर रखने की (घ) मुरली बजाने की

(ii) चाकरी में नित उठकर क्या करना चाहते हैं ? **1**

(क) माला पहनाने की। (ख) दर्शन पाने की।

(ग) गिरधारी लाला की चाकरी की। (घ) श्याम को पाने की।

(iii) मुरलीवाले के पीले वस्त्रों को किस नाम से जाना जाता है ? **1**

(क) मुगट (ख) पीतांबर

(ग) वैजयंती (घ) कटिवस्त्र

(iv) चाकरी में खरची क्या पाऐंगे ? **1**

(क) स्मरण की। (ख) बाग लगाने की।

(ग) दर्शन की। (घ) मुरली सुनने की।

(v) मुरलीवाला मोहन क्या करता है ? **1**

(क) मुरली बजाता है। (ख) वृंदावन में रहता है।

(ग) वृंदावन में धेनु चराता है। (घ) दर्शन देता है।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए – **2.5x2=5**

(क) सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी ?

(ख) छोटे भाई के मन में बड़े भाई साहब के प्रति श्रद्धा क्यों उत्पन्न हुई ?

(ग) 'तीसरी कसम' को सैल्यूलाइड पर लिखी कविता क्यों कहा गया ?

(घ) ततँरा वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया ?

12. 'बड़े भाई साहब' पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा के किन - किन तरीकों पर व्यंग्य किया है ? क्या आप उन विचारों से सहमत हैं ? 5

अथवा

तताँरा की तलवार की विलक्षणता के बारे में लोगों का क्या मत था और अंत में तलवार की शक्ति का लोगों ने क्या स्वरूप देखा - अपने शब्दों मे लिखिए।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

उनका दृढ़ मन्तव्य था कि दर्शकों की रुचि की आड़ में हमें उथलेपन को उन पर नहीं थोपना चाहिए। कलाकार का यह कर्तव्य भी है कि वह उपभोक्ता की रुचियों का परिष्कार करने का प्रयत्न करे और उनका यकीन गलत नहीं था। यही नहीं, वे बहुत अच्छे गीत भी जो उन्होंने लिखे, बेहद लोकप्रिय हुए। शैलेन्द्र ने झूठे अभिजात्य को कभी नहीं अपनाया। उनके गीत भाव-प्रवण के दुरूह नहीं। 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंगलिस्तानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी' - यह गीत शैलेन्द्र ही लिख सकते थे। शांत नदी का प्रवाह और समुद्र की गहराई लिए हुए। यही विशेषता उनकी जिंदगी की थी और यही उन्होंने अपनी फ़िल्म के द्वारा भी साबित किया था।

(क) कलाकार उपभोक्ता की रुचियों का परिष्कार कैसे कर सकता है ? 2

(ख) क्यों कहा गया - 'यह गीत शैलेन्द्र ही लिख सकते थे' ? 1

(ग) अपनी फ़िल्मों के द्वारा शैलेन्द्र ने क्या सिद्ध करने का प्रयास किया ? 2

अथवा

जब ये कानून-भंग का काम शुरू हुआ तब से आज तक इतनी बड़ी सभा ऐसे मैदान में नहीं की गई थी और यह सभा तो कहना चाहिए कि ओपन लड़ाई थी। पुलिस कमिश्नर का नोटिस निकल चुका था कि अमुक - अमुक धारा के अनुसार कोई सभा नहीं हो सकती। जो लोग काम करने वाले थे उन सबको इंस्पेक्टरों के द्वारा नोटिस और सूचना दे दी गई थी कि आप यदि सभा में भाग लेंगे तो दोषी समझे जाऐंगे। इधर कौंसिल की तरफ से नोटिस निकल गया था कि मोनुमेंट के नीचे ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर झंडा फहराया जाएगा तथा स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी। सर्वसाधारण की उपस्थिति होनी चाहिए। खुला चैलेंज देकर ऐसी सभा पहले नहीं की गई थी।

(क) इस घटना की पृष्ठभूमि का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 2

(ख) इन पंक्तियों के पाठ और लेखक का नाम लिखिए। 1

(ग) इस सभा को ओपन लड़ाई क्यों कहा गया ? 2

14. (क) कबीर के विचार से निंदक को निकट रखने के क्या लाभ हैं ? 2

(ख) बादलों से पर्वत के छिप जाने पर कवि ने क्या कल्पना की है ? अपने शब्दों मे लिखिए। 2

(ग) पावस ऋतु किसे कहते हैं ? 1

15. गाँव में नेताजी हरिहर काका से मिलने क्यों गए थे ? उनकी असलियत क्या थी ? 3

अथवा

'हरिहर काका' कहानी समाज के किस कटु सत्य को उजागर करती है ? स्पष्ट कीजिए।

16. लेखक हरिहर की जिंदगी के साथ कैसे जुड़ा है ? लेखक ने इसके क्या-क्या कारण बताए ? 2

खंड 'घ'

17. संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों का एक अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) **मीडिया का सामाजिक उत्तरदायित्व।**

* मीडिया के प्रकार - प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक
* सामाजिक दायित्व - सकारात्मक
* जन जागृति - सनसनी नहीं।
* निजी जीवन में हस्तक्षेप नहीं
* सकारात्मक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समाज निर्माण

(ख) **मानव की सुरक्षा प्रकृति की रक्षा।**

* मानव - प्रकृति - पुरातन संबंध
* प्रकृति का अनावश्यक दोहन
* प्रकृति का संरक्षण
* दोनों का संतुलन

(ग) **मेरे सपनों का भारत।**

* देश की कल्पना
* सांस्कृतिक, भौतिक, आध्यात्मिक विरासत
* उत्तम का विकास
* शोषण व भ्रष्टाचार से मुक्त भारत
* प्रगतिशील - समृद्ध भारत

18. अपने विद्यालय में तरणताल बनवाने के लिए प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर निवेदन कीजिए। 5

अथवा

परीक्षा में प्राप्त उपलब्धि का उल्लेख करते हुए छात्रवृत्ति प्राप्ति हेतु प्रधानाचार्य को आवेदन-पत्र लिखिए।

- o O o -